



T.N. Agrawal Teachers' Training College, Harigaon

(Recognised by ERC, NCTE, Bhubneshwar, Affiliated to Aryabhata Knowledge University, Patna)
Sponsored by T.N. Agrawal Educational & Social Welfare Foundation, P.O.- SanyaBarhatta, Dist -
Bhojpur, State - Bihar, Pin Code- 802162



PARTICIPATIVE EFFORTS TO IDENTIFY POSSIBLE AND NEEDED INNOVATIONS:

The organization has made significant efforts to advance the knowledge and abilities of the students at the workshop on "Development of Teaching Learning Materials (TLM)" that was organized by the institute. This includes the creation of teaching aids and lesson plans at the institutional level. The practical training offered throughout the internship programme are really helpful.

The institute actively supports activity-based learning and has invested heavily in this area. Students are given assignments and projects in the form of small-scale research or action research, which allows them to gain knowledge and engage in contextual learning through first-hand experience.

The institution also hosts seminars for students. Recent seminars for innovations have included the following topics:

Sr.No.	YEAR(DATE)	TOPIC OF THE SEMINAR	INSTITUTION
01	2022 (27 TH &28 TH MARCH)	“Relevance of New Education Policy-2020 in the Context of Innovation and Modern trends in Education.”	Tarkeshwar Narayan Agrawal Teachers` TrainingCollege, Harigaon, Ara(Bhojpur)
02	2020 (20 TH JUNE)	“Adhyapak Shiksha Vartaman Sandarbh ki Chunautiyan.”	Tarkeshwar Narayan Agrawal Teachers`

			TrainingCollege, Harigaon, Ara(Bhojpur)
03	2019 (19 TH &20 TH DEC.)	“Evaluation Process in current Education System of India.”	Tarkeshwar Narayan Agrawal Teachers` TrainingCollege, Harigaon, Ara(Bhojpur)
04	2017 (15 TH December)	“Need, Importance and Impact of ICT in Education (Role of Information Technology in Vacation Education)”	Tarkeshwar Narayan Agrawal Teachers` TrainingCollege, Harigaon, Ara(Bhojpur)

ENCOURAGEMENT TO NOVEL IDEAS:

Teachers are encouraged to create their own academic plans, annual plans, monthly plans, and daily plans in ways that they believe would result in the best outcomes for teaching and learning circumstances. For teaching and learning reasons, teachers have developed a variety of methods, means, tactics, and approaches. Students are also encouraged to construct their own learning activities in accordance with their learning style and pace across all curricular activities. The majority of the time, seminars are used to teach and learn in the classroom.


OFFICIAL APPROVAL AND SUPPORT FOR INNOVATIVE TRY- OUTS:

Each faculty member creates a monthly learning activity, which is then presented to for approval. From this point forward, all undertaken activities are managed and facilitated by the relevant faculty. The

concerned professor mentors and supports the pupils. Evaluation is a constant, all-encompassing procedure that includes gauging how well students participated in the range of activities the Institute came up with.

MATERIALS AND PROCEDURAL SUPPORTS

Through the library, the Institution gives teachers and students the resources and assistance they need. In addition, the library is well-stocked with books and scholarly publications. To facilitate access to online materials, internet connections have been installed throughout the campus, and the library has subscribed to a number of online periodicals. In addition to this, the Language and ICT labs are open to students and staff who need to use them. Through hands-on training, workshops, and seminars, the teachers also exchange knowledge on approaches for lesson planning and creating instructional aids.


Principal
Tarakeshwar Narain Agrawal
Teachers' Training College
Harigaon, Ara



Aarushi

Model Question Bank

मॉडल प्रश्न संग्रह

B.Ed. Course



Affiliated :- Aryabhata Knowledge University, Patna, Bihar

T.N.A.T.T.C. Email-id :- info@tnabedcollege.com

Website :- www.tnabedcollege.com

B.M.T.T.C. Email- id :- info@bmttc.in

Website :- www.bmttc.in

प्राक्कथन



प्रस्तुत "आरूषि मॉडल प्रश्न संग्रह" जो मेरी कृत संकल्पित भाव की एक सोच है। जिसे प्रशिक्षुओं के विषयगत हित में प्रेषित करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

"होते नहीं आपके सवाल दिलकश

अक्सर हमारे जवाब लाजवाब होते हैं।"

उपरोक्त पंक्तियों से स्पष्ट होता है कि किसी प्रश्न का जवाब अपने आप में संपूर्णता के लिए होता है। जिसके लिए आवश्यक है कि प्रश्नों की प्रकृति को समझा जाए।

यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष एवं संतोष का विषय है कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना के अंतर्गत संचालित मेरे दोनों संस्थान (तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव, आरा) एवं (भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मोतिहारी) के विद्यार्थियों से जब मैं रूबरू होता था तो उनके विषयगत प्रश्नों की जिज्ञासाओं को देखते हुए मेरे मन में कई तरह के सवाल आते थे। तब मैंने जाना कि आज की पीढ़ी प्रश्नों को ही समझने में विफल हो रही है। तो मेरे मन में विचार आया कि प्रश्नों की प्रकृति एवं उसके उद्देश्यों को प्रशिक्षणार्थियों के बीच में लाने की परम आवश्यकता है। ताकि परीक्षा के समय परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देते समय अपने संज्ञानात्मक, ज्ञानात्मक, बोधात्मक एवं स्मृति स्तर के क्षमताओं का भरपूर प्रदर्शन अपने लेखन के माध्यम से प्रस्तुत कर सकें। प्रश्न पत्र परीक्षा का एक महत्वपूर्ण साधन है। प्रश्न पत्र के माध्यम से परीक्षार्थियों के ज्ञान एवं कौशल का मापन किया जाता है।

मैंने इस श्रेष्ठतम विचार को शीघ्र मूर्त रूप देने हेतु अपने दोनों महाविद्यालय के प्राचार्य द्वय एवं सभी प्राध्यापकों के साथ बैठकर इस विषय पर अनेक महत्वपूर्ण सुझाव मांगे। जिस पर सभी शिक्षकों ने अपने सहर्ष सहमति प्रदान करते हुए छात्र हित में इस सुझाव की खूब प्रशंसा की और अपने-अपने विषय से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्नों को चयन कर इसे एक "मॉडल प्रश्न संग्रह" के रूप में अतिशीघ्र निर्मित करने का निर्णय लिया। सभी विद्वत जनों ने मेरे परामर्श अनुसार सर्वसम्मति से इस प्रश्न बैंक का नाम "आरूषि मॉडल प्रश्न संग्रह" रखा। इस प्रश्न संग्रह में प्रश्नपत्र निर्माण के समस्त पहलुओं पर विचार किया गया है।

उद्देश्य एवं लाभ –

इस प्रस्तुत मॉडल प्रश्न संग्रह का उद्देश्य बी. एड. प्रशिक्षुओं के आंतरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में पूछे जाने वाले सभी विषयगत संभावित प्रश्नों का यथावत उत्तर देते हुए परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करके इसका लाभ उठाने से है। बी. एड. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के सभी प्रश्न पत्र (मेथड पेपर) सहित 27 विषयों के महत्वपूर्ण प्रश्नों की एक सूची तैयार की गई है। पाठ्यक्रम की इकाई के अनुसार सभी प्रश्नों को आदर्श प्रश्नपत्र सेट में समाहित किया गया है। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना से संचालित महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी.एड. प्रशिक्षुओं के लिए यह पुस्तक अधिक कारगर सिद्ध होगी।

निष्कर्ष :

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षु अपने कल्पनाशील गतिविधियों एवं इस प्रश्न बैंक की मदद से परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करके अपने भविष्य को संवारने में कितना अवसर का लाभ उठा सकते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आजादी दी जाए तो प्रशिक्षु विशेषज्ञों द्वारा सौंपी जा रही इस प्रश्न संग्रह सामग्री से जुड़कर और जुड़कर नये ज्ञान का सृजन कर सकते हैं।

सृजना और पहल को विकसित करने के लिए जरूरी है कि हम छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार माने और बनायें, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें। यह उद्देश्य कॉलेज की दैनिक जिंदगी और कार्यशैली में काफी फेरबदल की मांग करते हैं। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियां भी इस बात को तय करेंगी कि यह प्रश्न संग्रह प्रशिक्षण महाविद्यालय के छात्रों को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होगी।

आभार :

"आरूषि मॉडल प्रश्न संग्रह" के इस सेट के प्रकाशन में मैं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य द्वय डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय एवं डॉ. मिथिलेश कुमार शुक्ला जी का विशेष आभारी हूँ। जिनके नेतृत्व में सभी शिक्षक ने इस "आरूषि मॉडल प्रश्न संग्रह" के मुद्रण में अपना अद्वितीय सहयोग प्रदान किया। इस क्रम में मैं उन समस्त महानुभावों के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से इस प्रश्न संग्रह के विकास में अपना असाधारण एवं बहुमूल्य योगदान प्रदान किया है।

आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि प्रशिक्षु इसका अध्ययन करके परीक्षा में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करके सफलता के सोपान पर आरूढ़ हो सकेंगे।

"मैं प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।"

डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल

सचिव

टी.एन.ए.टी.टी.सी, हरिगाँव

एवं

बी.एम.टी.टी.सी, मोतिहारी

आमुख

प्रस्तुत मॉडल प्रश्न पत्र तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव एवं भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतिहारी के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल, सचिव (टी.एन. ए.टी.टी.सी एवं बी.एम.टी.टी.सी) के प्रेरणा स्वरूप तथा प्राचार्य द्वय (डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय, प्राचार्य टी.एन.ए.टी.टी.सी. एवं डॉ. मिथिलेश शुक्ला, प्राचार्य बी.एम.टी.टी.सी.) के निर्देशन में तथा संयोजक श्री नीरज तिवारी के नेतृत्व में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकों के सहयोग से तैयार किया गया है। यह मॉडल प्रश्न पत्र सभी विषयों के पाठ्यक्रम के साथ-साथ विश्वविद्यालय के वाह्य परीक्षा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। महाविद्यालय के वाह्य परीक्षा में दीर्घउत्तरीय, लघुउत्तरीय तथा बहुवैकल्पिक प्रश्न पुछे जाते हैं, अतः उसी के अनुरूप समस्त प्रश्न पत्रों को मॉडल प्रश्न पत्र सेट में समाहित किया गया है।

इस मॉडल प्रश्न पत्र सेट में बी. एड. प्रथम और द्वितीय वर्ष के सभी प्रश्न पत्र (मेथड पेपर सहित) 27 विषयों के महत्वपूर्ण प्रश्नों की एक सूची तैयार की गयी है। इन प्रश्न पत्रों में बी. एड. प्रशिक्षुओं को वाह्य परीक्षा की तैयारी करने में सहुलियत होगी। पुस्तक में युनिट के हिसाब से महत्वपूर्ण प्रश्नों को सुचीबद्ध किया गया है, जिसे युनिट के हिसाब से तैयारी करने में प्रशिक्षुओं को सुविधा होगी।

मॉडल प्रश्न पत्र के इस सेट के प्रकाशन में तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव एवं भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मोतिहारी के समस्त सहायक प्राध्यापकों का सहयोग रहा साथ ही टाइप से संबंधित कार्यों में दोनों कॉलेजों के शिक्षकेत्तर सहयोगीयों का भी सराहनीय योगदान रहा। हम इन सभी को हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

इस मॉडल प्रश्न पत्र के द्वारा हम प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

शुभ कामनाओं के साथ

डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय
प्राचार्य
टी. एन. ए. टी. टी. सी.
हरिगाँव, आरा

संयोजक
श्री नीरज तिवारी
टी. एन. ए. टी. टी. सी.
हरिगाँव, आरा

डॉ. मिथिलेश शुक्ला
प्राचार्य
बी. एम. टी. टी. सी.
मोतिहारी

प्रथम संस्करण
(अगस्त 2021)

Author

Sr. No	Subject	Writing
1	CHILDHOOD AND GROWING UP	Sri Gangadhar & Sri Chandra Prakash
2	CONTEMPORARY INDIA AND EDUCATION	Sri Niraj Tiwari & Sri Praveen Babu
3	LEARNING AND TEACHING	Sri R. K. Vishwakarma & Sri Mithilesh kumar Shukla
4	LANGUAGE ACROSS THE CURRICULUM	Dr. M. K. Upadhyay & Sri Anjani Kumar Gupta
5	UNDERSTANDING DISCIPLINES AND SUBJECTS	Sri V. K. Jha & Amit Kumar
6	GENDER, SCHOOL AND SOCIETY	Smt. P. M. Jena & Smt. Anita Kumari
7	READING AND REFLECTING ON TEXTS	Smt. Bindi Kumari & Smt. Kumkum Devi
8	DRAMA AND ART IN EDUCATION	Sri V. K. Jha & Smt. Khushbu Kumari
9	CRITICAL UNDERSTANDING OF ICT	Smt. P. M. Jena & Sri Manindra Pratap Singh
10	PEDAGOGY OF ENGLISH	Sri Mithlesh Kumar Shukla & Sri Chandan Kr. Gupta
11	PEDAGOGY OF HINDI	Dr. M. K. Upadhyay & Sri Anjani Kumar Gupta
12	PEDAGOGY OF SCIENCE - I (PHYSICAL SCIENCE)	Sri Gangadhar & Sri Manoj Kumar Tiwari
13	PEDAGOGY OF SCIENCE - II (BIOLOGICAL SCIENCE)	Sri Ramu Prasad & Dr. Navdeep Ranjan
14	PEDAGOGY OF MATHEMATICS	Sri Gangadhar & Sri Manoj Kumar Tiwari
15	PEDAGOGY OF SOCIAL SCIENCE - I (HISTORY & CIVICS)	Sri R. K. Vishwakarma & Sri Amit Kuamr
16	PEDAGOGY OF SOCIAL SCIENCE - II (GEOG. ECON.)	Sri A. K. Singh & Sri Chandan Prakash
17	PEDAGOGY OF COMMERCE	Smt. P. M. Jena & Sri Praveen Babu
18	PEDAGOGY OF COMPUTER SCIENCE	Smt. Anjali & Sri Manindra Pratap Singh
19	KNOWLEDGE AND CURRICULUM	Sri Mithlesh Kumar Shukla & Sri A. K. Dwivedi
20	ASSESSMENT FOR LEARNING	Sri R. K. Vishwakarma & Sri Anjani Kumar Gupta
21	CREATING AN INCLUSIVE SCHOOL	Sri Ramu Prasad & Smt. Anita Kumari
22	OPTIONAL COURSE :-	
I	GUIDANCE AND COUNSELLING	Sri Vijay Kumar Jha & Sri Praveen Babu
II	ENVIRONMENTAL EDUCATION	Sri A. K. Singh & Sri Chandan Prakash

INDEX - 1
B.ED 1st YEAR

Sr. No	Paper Name	Paper Code	Page No
1	CHILDHOOD AND GROWING UP	CC- 1	1 - 2
2	CONTEMPORARY INDIA AND EDUCATION	CC - 2	3 - 8
3	LEARNING AND TEACHING	CC - 3	9 - 13
4	LANGUAGE ACROSS THE CURRICULUM	CC - 4	14 - 15
5	UNDERSTANDING DISCIPLINES AND SUBJECTS	CC - 5	16 - 18
6	GENDER, SCHOOL AND SOCIETY	CC - 6	19 - 25
7	READING AND REFLECTING ON TEXTS	EPC - 1	26 - 27
8	DRAMA AND ART IN EDUCATION	EPC - 2	28 - 30
9	CRITICAL UNDERSTANDING OF ICT	EPC - 3	31 - 33
10	PEDAGOGY OF ENGLISH	PC - 7A - 1	35 - 36
11	PEDAGOGY OF HINDI	PC - 7A - 2	37 - 39
12	PEDAGOGY OF SCIENCE - I (PHYSICAL SCIENCE)	PC - 7A - 3	40 - 41
13	PEDAGOGY OF SCIENCE - II (BIOLOGICAL SCIENCE)	PC - 7A - 4	42 - 43
14	PEDAGOGY OF MATHEMATICS	PC - 7A - 5	44 - 45
15	PEDAGOGY OF SOCIAL SCIENCE - I (HISTORY & CIVICS)	PC - 7A - 6	46 - 47
16	PEDAGOGY OF SOCIAL SCIENCE - II (GEOG. ECON.)	PC - 7A - 7	48 - 49
17	PEDAGOGY OF COMMERCE	PC - 7A - 8	50 - 51
18	PEDAGOGY OF COMPUTER SCIENCE	PC - 7A - 9	52 - 54

INDEX - 2
B.ED 2ND YEAR

Sr. No	Paper Name	Paper Code	Page No
1	KNOWLEDGE AND CURRICULUM	CC- 8	57- 62
2	ASSESSMENT FOR LEARNING	CC - 9	63- 65
3	CREATING AN INCLUSIVE SCHOOL	CC - 10	66- 68
4	OPTIONAL COURSE :-	CC - 11	69- 72
I	ENVIRONMENTAL EDUCATION	CC - 11 A	69
II	GUIDANCE AND COUNSELLING	CC - 11 B	70- 72
5	UNDERSTANDING THE SELF	EPC - 4	73
6	PEDAGOGY OF ENGLISH	PC - 7B - 1	75- 77
7	PEDAGOGY OF HINDI	PC - 7B - 2	78- 79
8	PEDAGOGY OF SCIENCE - I (PHYSICAL SCIENCE)	PC - 7B - 3	80- 81
9	PEDAGOGY OF SCIENCE - II (BIOLOGICAL SCIENCE)	PC - 7B - 4	82- 83
10	PEDAGOGY OF MATHEMATICS	PC - 7B - 5	84- 85
11	PEDAGOGY OF SOCIAL SCIENCE - I (HISTORY & CIVICS)	PC - 7B - 6	86- 87
12	PEDAGOGY OF SOCIAL SCIENCE - II (GEOG. ECON.)	PC - 7B - 7	88- 90
13	PEDAGOGY OF COMMERCE	PC - 7B - 8	91
14	PEDAGOGY OF COMPUTER SCIENCE	PC - 7B - 9	92- 93

(संक्षिप्त परिचय)

डॉ० कृष्ण मुरारी अग्रवाल



प्रस्तुत "आरूषि मॉडल प्रश्न संग्रह" के संपादक डॉ० कृष्ण मुरारी अग्रवाल जी तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन, आरा के सचिव पद पर आसीन हैं। पिता स्व० तारकेश्वर नारायण अग्रवाल के प्रथम सुपुत्र के रूप में पिता के द्वारा दिये संस्कारों के अनुरूप अपनी क्षेत्र में सफलता की उचाईयाँ प्राप्त कर रहे हैं। शैक्षिक क्रांति का बीड़ा उठाकर उत्तम जीवन जीने के कुँजी हेतु शिक्षा के क्षेत्र में सतत् प्रयास करते हुए शैक्षिक और सामाजिक विकास की परम्परा में चार चाँद लगाकर कठिन परिश्रम एवं संघर्षों के उपरांत क्षेत्र को वृहद शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान प्रदान किये हैं।

पिता के समृति में इन्होंने (तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन, आरा) के अंतर्गत सामाजिक सरोकार को समझते हुए समाज की आवश्यकता के अनुरूप तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव आरा एवं भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मोतिहारी की स्थापना किया। जिससे समाज में गुणवत्ता युक्त शिक्षक प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित शिक्षकों को तैयार किया जाता है। महाविद्यालय में रक्त दान शिविर, उनमुक्त गगन शिविर, शैक्षिक परिभ्रमण जैसे सह-शैक्षणिक गतिविधियों का समयानुसार आयोजन किया जाता है। शैक्षिक जगत में इनके नित नये प्रयोगों की स्वीकारिता प्रदर्शित होती है। भारत सरकार एवं बिहार राज्य सरकार के शैक्षिक विभागों में इनके सुझावों को ग्राह्य योग्य माना जाता है। वर्तमान में दोनो महाविद्यालयों द्वारा अनुमोदित कुशल विषय विशेषज्ञ एवं प्राध्यापक कार्यरत हैं। माननीय सचिव महोदय की आकांक्षाओं एवं उद्देश्यों को पूरा करने के लिए समस्त कॉलेज परिवार कृत संकल्पित है

संपादक

Principal
Tarakeshwar Narain Agrawal
Teachers' Training College
Harigaon, Ara